केन्द्रीय विद्यालय संगठन
क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 02.03.2016 को आयोजित बैठक का कार्यवृत्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल में श्री इसमपाल, उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता में उपायुक्त महोदय के कक्ष में दिनांक 02.03.2016 को कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समिति के निम्न सदस्य उपस्थित रहे।

- श्री इसमपाल,उपायुक्त–अध्यक्ष
- श्री सुनील श्रीवास्तव,सहायक आयुक्त–सचिव
- डॉ0(श्रीमती) बी0कौर ,सहायक आयुक्त–सदस्य
- श्री जे0के माहेश्वरी,प्रशासनिक अधिकारी –सदस्य
- श्री अरूण कुमार कंकर,सहायक एवं वित्त अधिकारी के प्रतिनिधि –सदस्य
- श्रीमती गीतांजली पाण्डे, हिन्दी अनुवादक–सदस्य

कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों के स्वागत के उपरांत प्रारंभ हुई तत्पश्चात कार्यसूची के निम्न बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई :–

1. गृहमंत्रालय राजभाषा विभाग के द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम पर चर्चा –

इस विषय के अंतर्गत हिन्दी अनुवादक द्वारा बताया गया कि गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने के लिए प्रतिवर्ष एक वार्षिक कार्यक्रम जारी किया जाता है। जिसमें क, ख एवं ग क्षेत्रों के लिए हिन्दी की प्रगति के संबंध में लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। वर्ष 2015–16 के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों की जानकारी दी गई एवं उसके अनुसार सितम्बर तिमाही एवं दिसम्बर तिमाही में कार्यालय के द्वारा किए गए पत्राचार की जानकारी बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों के समक्ष निम्नानुसार रखी गई।

क्र सं	राजभाषा विभाग द्वारा क क्षेत्र के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य	सितम्बर तिमाही में कार्यालय के पत्राचार का प्रतिशत	दिसम्बर तिमाही में कार्यालय के पत्राचार का प्रतिशत
1.	क क्षेत्र से क क्षेत्र को हिन्दी पत्राचार का प्रतिशत 100	61	72
2	क क्षेत्र से ख क्षेत्र को हिन्दी पत्राचार का प्रतिशत 100	52	58
3	क क्षेत्र से ग क्षेत्र को हिन्दी पत्राचार का प्रतिशत 65	66	79
4	हिन्दी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए जाने का प्रतिशत 100	100	100
5	हिन्दी में टिप्पणी लिखने का प्रतिशत 75	73	75

उपर्युक्त मद के अंतर्गत लक्ष्य प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष महोदय ने सभी से यह अपेक्षा की कि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रयासरत रहें एवं मूल पत्राचार अधिकाधिक हिन्दी में करें। जिससे निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। जिस पर सभी ने अपनी सहमति व्यक्त की।

2. सितम्बर 2015 को समाप्त तिमाही रिपोर्ट पर केविसं मुख्यालय से प्राप्त समीक्षा पर चर्चा–

केविसं(मु) के द्वारा प्राप्त समीक्षा के निम्न मुख्य बिन्दुओं पर विचार किया गया एवं कार्यालय के हिन्दी पत्राचार के प्रतिशत को बढाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाने के निदेश दिए गए

1. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन
2. 1654 पत्रों में से 804 के उत्तर ही हिन्दी में दिए गए,जिसे नियमानुसार बढाने के निदेश दिए गए ।
3. 'क','ख' एवं 'ग' क्षेत्र को भेजे गए पत्रों का प्रतिशत क्रमशः 61, 52 एवं 66 रहा जिसे राजभाषा विभाग के द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्य के अनुसार करने का सुझाव दिया गया।

3. कार्यालय के हिन्दी पत्राचार की स्थिति –

इस मद के अंतर्गत समिति के सदस्यों को दिसम्बर तिमाही में कार्यालय के हिन्दी पत्राचार में अपेक्षाकृत वृद्धि परिलक्षित होने की जानकारी दी गई। इसमें लक्ष्य के अनुसार वृद्धि करने हेतु प्रशासनिक अधिकारी द्वारा यह सुझाव दिया गया कि कार्यालय से विद्यालयों को जारी होने वाले परिपत्रों को संभाग के विद्यालयों की संख्या के अनुसार गिना जाए जिससे कार्यलय के हिन्दी पत्राचार में वास्तविक जानकारी ज्ञात हो सके।

4. चैक बिन्दु के संबंध में चर्चा –

इस मद में यह बताया गया कि राजभाषा नियम एवं केविसं(मु) के द्वारा समय–समय पर जारी निदेशों को ध्यान में रखते हुए राजभाषा नियमों के पूर्णतः अनुपालन हेतु कार्यालय में समस्त अनुभाग प्रभारी एवं प्रेषण स्तर पर चैक बिन्दु स्थापित किए गए थे, जिन्हें पुनः और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संबंधित को अनुदेशित करने पर विचार किया जा सकता है । इस पर समिति के सदस्यों ने अपनी सहमति व्यक्त की। समिति के सचिव श्री सुनील श्रीवास्तव ने यह भी सुझाव दिया कि कार्यालय के जो अधिकारी/कर्मचारी गण हिन्दी में हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं वे हिन्दी में हस्ताक्षर करना सुनिश्चित करें के जिस पर सभी सदस्यों ने इस बात का आश्वासन दिया ।

5.अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से :– इस मद में कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष महोदय ने कार्यशालाओं के आयोजन का प्रस्ताव रखा, हिन्दी के प्रसिद्ध लेखकों के प्रेरणादायक वक्तव्यों एवं हिन्दी भाषा से संबंधित प्रेरक वाक्यों के बोर्ड लगाने का विचार भी रखा। साथ ही कार्यालय में सभी से निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पत्राचार करने की अपेक्षा की एवं कार्यालय की हिन्दी पत्रिका के द्वितीय संस्करण के प्रकाशन की प्रकिया प्रारंभ करने का सुझाव भी दिया जिस पर सभी सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की एवं इस दिशा में अपेक्षित कार्रवाई करने के प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार किया ।

कार्यालय में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को और अधिक बढाने की अवधारणा एवं राजभाषा नियमों के पूर्णतः अनुपालन को ध्यान में रखते हुए तिमाही की बैठक का समापन किया गया ।

(सुनील श्रीवास्तव)
सचिव एवं सहायक आयुक्त

(इसमेपाल)
अध्यक्ष एवं उपायुक्त